यूपीईएस और इंडियन नेवी के बीच एमओयू किया गया साइन

नौसैनिक कर्मियों और उनके परिवारों को मिलेगा शिक्षा का लाभ

dehradun@inext.co.in

DEHRADUN (27 May): यूपीईएस यूनिवर्सिटी ने भारतीय नौसेना के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए, जिसका मोटिव नौसैनिक कर्मियों और उनके परिवारों को एकेडमिक और व्यावसायिक विकास के अवसर प्रदान करना है. इस समझौते पर नौसेना वेलफेयर एंड वेलनेस एसोसिएशन की अध्यक्ष शशि त्रिपाठी, कमोडोर एसएम उरूज अथर और यूपीईएस के रजिस्ट्रार मनीष मदान ने हस्ताक्षर किए.

दी जाएगी स्कॉलरशिप

इस साझेदारी के तहत यूपीईएस नौसेना के रोवा में कार्यरत और सेवानिवृत्त कर्मियों, उनके पार्टनर और बच्चों को कई तरह के शैक्षणिक कार्यक्रमों की सुविधा देगा. यह सुविधा उन परिवारों के लिए भी उपलब्ध होगी जिनके सदस्य ड्यूटी के दौरान वीरगति को प्राप्त हुए हैं या गंभीर घायल हुए हैं. कार्यक्रमों में फुल टाइम ऑन-कैंपस अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट कोर्स, कामकाजी पेशेवरों के लिए पार्ट टाइम पीएचडी और प्रबंधन, विधि, प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में लचीले ऑनलाइन पाठ्यक्रम शामिल होंगे. इस अवसर पर एनडब्ल्यूडब्ल्यूए की अध्यक्ष शशि त्रिपाठी ने कहा कि यूपीईएस के साथ यह सहयोग हमारे नौसैनिक समुदाय के लिए शिक्षा के क्षेत्र में नए द्वार खोलने वाला कदम है. यूपीईएस के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य भरत खरबंदा ने कहा कि यह साझेदारी भारतीय नौसेना के समर्पण और साहस के प्रति श्रद्धांजलि है. इस समझौते के तहत यूनिवर्सिटी मेरिट के आधार पर नौसैनिक कर्मियों के बच्चों को स्कालरशिप देगा. ऑनलाइन कोर्सेज में दाखिला लेने वाले नौसैनिक कर्मियों को 20 परसेंट फीस में छूट और पात्रता मानदंड में 5 परसेंट की छूट मिलेगी. जो नौसैनिक कर्मी पार्ट-टाइम पीएचडी करना चाहते हैं, उन्हें प्रति सेमेस्टर 501 परसेंट ट्यूशन फीस में स्कॉलरशिप दी जाएगी.